केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 331 मंगलवार 25 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

45 दिव्यांगों में प्रमाण-पत्र वितरित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र बस्ती में सोमवार को दिव्यांग प्रमाण पत्र शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में कुल 45 लोगों का दिव्यांग प्रमाण पत्र व 15 लोगो का रेल रियायत प्रमाण पत्र बनाया गयास सिविल में ऑर्थो सर्जन डॉ आलोक कुमार पांडेय, नेत्र सर्जन डॉक्टर हरीश कुमार, मानसिक रोग चिकित्सक डा0 अनिल कुमार दूबे, ई0एन0टी0 सर्जन डॉक्टर ए0के0 मल्ल ने शिविर में आए दिव्यांग जनों का परीक्षण कर दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाया। शिविर मे साईकलोजिस्ट राधेश्याम चौधरी, फिजियोथैरेपिस्ट सुनील यादव, थे परपज रिहैबिलिटेशन वर्कर संगीता यादव, अर्थराइटिस प्रोस्थेटिक टेक्नीशियन विजय श्रीवास्तव, लेखाकार शिव मूर्ति यादव, जयप्रकाश यादव ने शिविर मे सहयोग किया, प्राणनाथ, बबलू, जय राम, लाल जी, कार्तिक, रामकुमार संतोष कुमार पांडेय, सोनी मिश्रा, राम सजीवन,घनश्याम, संजय सिंह मधुबाला सोनी, अनीता देवी आशीष, राजेश कुमार, अजीमुल्ला सुमित्रा, देवी,नवीन कुमार पांडेय, राबिया खातून, फरीदा खातून सहित अन्य लोगो का दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाया गया।

साइबर ठगों से रहें सावधान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती।इस समय ठगी का धन्धा जोर पकड़ चुका है। जालसाज हमेसा इसी फिराक मे रहते है कि आप को कैसे अपने जाल मे फँसा ले और फिर आप से ठगी कर सके। पहले कुछ ठग प्रकार के लोग आप के फोन पर काल करते है और फिर पूरे आत्म विश्वास के साथ आप का नाम ले कर हाल चाल पूछते है और फिर जाल फैला कर झांसे मे लेने कि कोशिस करते है यदि आप फसे तो आप को लूट लिया जाता है। ताज मामला सामने यह आया की वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र के नाम से एक फेक फेसबुक आई डी बना कर जान पहचान के लोगों को मित्रता के लिए निवेदन भेजा गया जिन जिन लोगों ने फेक आई डी को स्वीकार किया उनमे से अधिकांश लोगों से जालसाज ने रुपये की मांग किया किसी से पांच हजार तो किसी से छ हजार की। पत्रकार को इस बात की जानकारी शुभचिंतको द्वारा फोन काल और वाट्सप् के मध्यम से पता चली। साइबर ठग द्वारा पत्रकार के अत्यंत करीबीयो को तो ठग ने रुपये भुगदान हेतु बाकायदा क्यू आर कोड तथा मुबाइल न 9919532066 भेजा गया था जिसे स्कैन करने पर बैंकिंग आई डी पर दीपज्योति बोरा का नाम दिखा रहा है। पत्रकार द्वारा अपने वास्तविक फेस बुक आई डी पर सावधान रहने की अपील की सूचना सार्वजनिक करने के साथ साथ सदर सर्किल के डीएसपी और साइबर थाने को दूरभाष पर मामले की जानकारी देदी गई है।

पदम पुरस्कारों के लिये मांगे आवेदन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर पदम पुरस्कारों अर्थात पदम विभूषण, पदम भूषण, भूषण और पदम श्री के लिए भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत किया जाना है। उक्त जानकारी देते हुए क्रीडाधिकारी संजय शर्मा ने बताया कि उक्त उपाधियों के लिए महानुभावों से अनुरोध है कि वह खेल से संबंधित व्यक्तित्व एवं कृतित्व के संबंध में अपना साइटेशन तीन प्रतियों में निर्धारित प्रारूप पर उनके कार्यालय को प्रस्तुत कर सकते है।

पीएम मोदी ने हिन्दी, सांसदों ने अलग–अलग भाषाओं में लिया शपथ

नई दिल्ली (आभा)। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत होते ही सदन में भाषाई विविधिता देखने को मिली। दरअसल नवनिर्वाचित सांसदों ने संस्कृत, हिंदी, डोगरी, बंगाली, असमिया और उड़िया और अंग्रेजी भाषाओं में शपथ ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'जय श्री राम' के नारों के बीच हिंदी में शपथ ली। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने हिंदी भाषा में शपथ ली।

ओडिशा के संभलपुर से सांसद

और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उड़िया भाषा में शपथ ली। जैसे ही धर्मेंद्र प्रधान ने शपथ लेना शुरू किया तो विपक्षी सांसदों ने 'नीट–नीट' के नारे लगाए।

बता दें कि देशभर में नीट–यूजी परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर बवाल मचा हुआ है। केरल से निर्वाचित होने वाले पहले भाजपा सांसद सुरेश गोपी ने भी 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। मलयालम भाषा में शपथ लेने से पहले उन्होंने भगवान को याद करते हुए 'कृष्णा गुरुवायुरप्पा' कहा। बता दें सुरेश गोपी पर्यटन और पेट्रोलियम राज्य मंत्री हैं। उन्होंने केरल के त्रिशूर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की थी।

अपूर्ण परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा करायें अधिकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक में सभी कार्यदायी संस्थाओं को अपूर्ण परियोजनाओं को शीघ्रता से तत्परतापूर्वक पूरा कराने का निर्देश दिया है। उन्होने कहा कि कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी स्वयं अपने स्तर से निर्माण कार्यो की मानीटरिंग करें। इस कार्य में कदापि ना लापरवाही करे। उन्होने कहा कि निर्माण कार्यो के लिए पर्याप्त धन है अगर धनाभाव के कारण अपूर्ण तथा अनारम्भ परियोजनाए है, तो शासन स्तर पर पत्राचार किया जाय।

समीक्षा बैठक में उन्होने पाया कि मण्डल में 50 लाख से अधिक लागत की 463 परियोजनाए संचालित है, जिसमें बस्ती में 160 के सापेक्ष 52 परियोजनाए पूर्ण, संतकबीर नगर में 103 के सापेक्ष 24 परियोजनाए पूर्ण एवं सिद्धार्थनगर में 200 के सापेक्ष 21 परियोजनाए पूर्ण हो गयी है, जिस पर मण्डलायुक्त ने संतोष व्यक्त किया। उन्होने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अगर कही कोई समस्या हो तो जिलाधिकारी के संज्ञान में अवश्य लाये, जिससे उसका निराकरण ससमय पूर्ण किया जा सकें।

आईजी आर.के. भारद्वाज ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया कि जिला कारागार, पाकशाला, महिला थाना निर्माण के अपूर्ण कार्यो को तेजी से तय समय सीमा के अन्तर्गत पूर्ण कराये तथा गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाय। बैठक का संचालन अर्थ एवं संख्याधिकारी अमजत अली अंसारी ने किया। इसमें मण्डल स्तरीय अधिकारीगण तथा कार्यदायी संस्थाओं के परियोजना प्रबंधक उपस्थित रहें।

भाकियू ने शुरू किया जल सत्याग्रह

प्रयागराज (आभा। जिले में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) से जुड़े सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सोमवार को यमुना नदी जल सत्याग्रह शुरू कर दिया। इन लोगों ने मांग की कि विभिन्न घाटों पर बालू खनन की अनुमति निषाद और मल्लाह समाज को ही दी जाए। इन लोगों ने यहां कंजासा में जल सत्याग्रह शुरू किया। भाकियू की युवा इकाई के प्रदेशाध्यक्ष अनुज सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि संगठन के हजारों कार्यकर्ता अपनी 26 सूत्रीय मांगों को लेकर जल सत्याग्रह पर बैठे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी प्रमुख मांगों में यमुना नदी के बालू के घाटों का पट्टा निषाद व मल्लाहों को देना और तहसील व जिला स्तर पर किसानों के लंबित मामलों का तत्काल समाधान शामिल है। सिंह ने कहा कि यह प्रदेश का नहीं बल्कि प्रयागराज जनपद से जुड़ा आंदोलन है, जिसमें यमुनापार के हमारे कार्यकर्ता विशेष रूप से शामिल हैं।

पेड़ के विवाद में मारपीट लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के पकरीभीखी निवासी लक्ष्मन पुत्र दुःखी ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सहित अन्य उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में लक्ष्मन, बलिराम, राम जी, बालमुकुन्द ने कहा है कि आंधी में एक पेड़ गिर गया। जब वह अपने भाई के साथ पेड़ लेने गये तो पड़ोसी रामधनी पुत्र लाल बिहारी, रामधनी की पुत्री वेदान्ती, राज उर्फ विकास पुत्र महेन्दर आदि ने गालियां देते हुये पेड़ ले जाने से रोक दिया और फर्जी मुकदमें में फंसाने की धमकी दिया। घटना की सूचना वाल्टरगंज थाने पर दी गई किन्तु पुलिस ने उनका मुकदमा दर्ज नहीं किया जबकि दूसरे पक्ष का मुकदमा दर्ज कर लिया गया। उक्त लोगों ने मांग किया है कि उनका भी पक्ष सुनकर मुकदमा दर्ज कराते हुये न्याय दिलाया जाय।

घर में लगा दिया ताला, मारा पीटाः न्याय दिलाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के दुबखरा निवासी दुर्गा प्रसाद पुत्र स्वर्गीय सीताराम ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर मारपीट के मामले में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराये जाने की मांग किया है।

एसपी को भेजे पत्र में दुर्गा प्रसाद ने कहा है कि उनके पिता का निधन 20 वर्ष पूर्व हो चुका है। वह पैतृक सम्पत्ति के 1/3 भाग का स्वामी है। उसकी माता शान्ती देवी, भाई लक्ष्मी प्रसाद, भाई की पत्नी सोनी देवी आये दिन सम्पत्ति को लेकर विवाद किया करते हैं। मकान के एक कमरे में उसे हिस्सा मिला है जहां वह परिवार के साथ गुजर बसर करता है। उक्त लोग उसे घर से निकाल देने का षड़यंत्र कर रहे हैं। मजबूर होकर उसने गांव के बाहर खेत में दीवार जोड़वाकर टीन शेड डालकर मकान बनवाया है। सोमवार 24 जून को लगभग 7 बजे वह पैतृक मकान के कमरे में रखा सामान लेने गया तो उसके कमरे में दूसरा ताला लगा मिला। उसने ताला खोलने का अनुरोध किया तो लक्ष्मी प्रसाद व सोनी देवी उग्र होकर हमलावर हो गये और गालियां दी। लक्ष्मी प्रसाद ने ईटे से पैर की उंगली खून दिया। लक्ष्मी प्रसाद व सोनी देवी ने जान से मार देने की धमकी भी दिया। गोहार लगाने पर गांव के लोग पहुंचे और बीच बचाव किया।

दुर्गा प्रसाद ने मामले में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराने के साथ ही अपने कमरे का ताला खोलवाने की मांग किया है।

बलिदान दिवस पर समाजवादियों ने किया महारानी दुर्गावती को नमन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सोमवार को महारानी दुर्गावती का 460 वां बलिदान दिवस मनाया गया। पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नमन किया।

समाजवादी पार्टी विधायक कविन्द्र चौधरी ने रानी दुर्गावती के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे देश की वो वीरांगना हैं, जिन्होंने अपने राज्य की रक्षा के लिए मुगलों से युद्ध कर वीरगति को प्राप्त किया। वह बहुत ही बहादुर और साहसी महिला थीं। समाजवादी चिन्तक चन्द्रभूषण मिश्र ने कहा कि रानी दुर्गावती का जन्म पांच अक्तूबर 1524 को प्रसिद्ध राजपूत चंदेल सम्राट कीरत राय के परिवार में हुआ। इनका जन्म चंदेल राजवंश के कालिंजर किले में जोकि वर्तमान में बांदा उत्तर प्रदेश में स्थित है, में हुआ। भारत भूमि पर जन्म लेने वाली रानी दुर्गावती के साहस और वीरता की भी गाथाएं

भरी पड़ी है. यह बात अलग है कि उन्हें इतिहास में वह स्थान और सम्मान नहीं मिला जो अन्य राजाओं और रानियों की वीरता को मिला है।

सपा युवजन सभा के राष्ट्रीय सदस्य अमित गोंड 'विक्की' ने कहा कि वीरांगना दुर्गावती ऐसी ही रानी थीं. जिन्होंने अकबर की दासता स्वीकार करने से बेहतर खुद को राज्य के लिए बलिदान करना उचित समझा. देश भर में 24 जून को रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस मनाया जाता है। कालिंजर के राजा कीरत सिंह की सुपुत्री और गोंड राजा दलपत शाह की पत्नी रानी दुर्गावती की वीरता से भला कौन परिचित नहीं होगा. देश की महान वीरांगना रानी दुर्गावती ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने हाथों से अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। उनके बलिदान से प्रेरणा लेने की जरूरत है।

अध्यक्षता करते हुये सपा के वरिष्ठ नेता जावेद पिण्डारी ने कहा कि गोड़वाना की रक्षा के लिये रानी दुर्गावती ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। महासचिव मो. स्वालेह ने कहा कि रानी दुर्गावती की बीरता को सदैव स्मरण किये जाने की आवश्यकता है।

रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से गिरिजाशंकर गोंड, गुलाम गौस, जमील अहमद, चन्द्रिका यादव, प्रशान्त यादव, राम उजागिर वर्मा, अमित यादव, राकेश चौधरी, राम सुरेश सोनकर, जोखूलाल यादव, विवेक यादव, दिनेश तिवारी, शुभम गोंड, सुनील गोंड, गुड्डू गोंड, उमाशंकर गोंड, श्याम जी गोंड, अभिषेक गोंड, विकास गोंड, सालिकराम गोंड, अमन गोंड,प्रियांशु गोंड, सुमित गोंड, विशाल, सुमन यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बस्ती के डीएम से ठगी का प्रयास करने वाला गिरफ्तार

आगरा (आभा)। खुद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सचिव बताकर डीएम बस्ती से ठगी का प्रयास किया गया। एसटीएफ आगरा यूनिट ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित विवेक शर्मा उर्फ बंटू चौधरी बाह के गांव मढ़ेपुरा का निवासी है। उसके खिलाफ 16 मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

आरोपित ने एसटीएफ को बताया कि उसने ठगी के लिए सीडीओ बस्ती को भी सीयूजी नंबर पर फोन किया था। उसने ट्रू कॉलर पर अपना नंबर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम से सेव कर रखा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सचिव बताकर ठगी करने वाले विवेक शर्मा उर्फ बंटू चौधरी द्वारा कारित किये गये अन्य मामलों की पुलिस सघनता से पूंछताछ कर रही है। उम्मीद है कि उसके द्वारा की गई अनेक ठगी के मामलों का शीघ्र खुलासा होगा।

औद्योगिक समस्याओं के निस्तारण का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी अंद्रा वामसी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न हुआ, जिसमें जनपद के औद्योगिक समस्याओं पर विचार–विमर्श के साथ–साथ योजनाओं की भी समीक्षा की गयी। विगत वित्तीय वर्ष 2023–24 में ऋण योजनाओं में प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष शतप्रतिशत से अधिक की पूर्ति पर उन्होने प्रसन्नता व्यक्त किया। वर्तमान वित्तीय वर्ष में कार्ययोजना बनाकर समयान्तर्गत शतप्रतिशत लक्ष्यपूर्ति के लिए उपायुक्त उद्योग एवं प्रबन्धक जिला अग्रणी बैंक को उन्होने निर्देशित किया।

उन्होने जनपद के निवेशकों की समस्याओं पर विचार–विमर्श करते हुए निवेशको के ऋण प्रकरण मामलो के निस्तारण हेतु आज सॉयकाल 05:30 बजे सम्बन्धित शाखा प्रबन्धक, निवेशको, लीड बैंक एवं उपायुक्त उदयोग के साथ अलग से बैठक आहूत करने का निर्देश दिया है। उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप ने बताया कि ईज आफ डूइंग बिजनेस के अन्तर्गत निवेश मित्र पोर्टल पर 541 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें 458 प्रकरणों पर निस्तारण की कार्यवाही की गयी है। 26 आवेदन पत्र विभिन्न विभागों में विचाराधीन है। इस स्थिति पर जिलाधिकारी ने आवेदन पत्रों पर समयान्तर्गत निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिया।

बैठक में एडीएम कमलेश चन्द्र, अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह, लीड बैंक अधिकारी आर.एन. मौर्या, समस्त जिला स्तरीय अधिकारी, एच0सी0शुक्ला महासचिव चैम्बर आफ कॉमर्स एण्ड इण्ड0 एवं अनिल सिंह अध्यक्ष इण्डस्ट्रियल डेवलपमेण्ट एसोसीएशन उपस्थित रहे। बैठक का संचालन श्री हरेन्द्र प्रताप उपायुक्त उदयोग ने किया।

हाइवे देवदूत प्रमोद ने जरूरतमंदों में किया हेल्मेट का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को सागर सेवा ट्रस्ट द्वारा अध्यक्ष प्रमोद ओझा के संयोजन में बड़े बन पुलिस चौकी के निकट लोगों को यातायात की जानकारी देने के साथ ही निःशुल्क लोगों को हेल्मेट दिया गया।

हाइवे देवदूत के नाम से लोकप्रिय प्रमोद ओझा ने बिना हेल्मेट जा रहे लोगों को रोका और कहा कि आपकी जिन्दगी बहुत कीमती है, खतरों से मत खेलिये, खुद के लिये नहीं तो परिवार के लिये हेल्मेट का उपयोग अवश्य करें।

बडेवन चौकी के पास सोमवार की शाम जरूरत मंदों को हेलमेट उपलब्ध कराकर उन्हें हेलमेट का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर आरटीओ रबि कान्त शुक्ला, एआरटीओ पंकज सिंह के साथ ट्रैफिक पुलिस भी मौजूद रहीं। ट्रस्ट के अध्यक्ष हाइवे देवदूत प्रमोद ओझा ने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य ही सड़क सुरक्षा को लेकर है। और हेलमेट सुरक्षा कवच से कम नहीं है।इसी क्रम में जन–जागरूकता अभियान के तहत हेलमेट वितरण किया जा रहा है।जो ट्रस्ट की ओर से चरणबद्ध ढंग से चलता रहेगा।

शराब की दूकानों को विद्यालय, धार्मिक स्थान, दलित बस्तियों के निकट से हटाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ऑल इण्डिया रियूनियन अध्यक्ष एडवोकेट विक्रम गौतम के नेतृत्व में यूनियन पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओ ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि शराब के सरकारी ठेकों, को विद्यालय, दलित वस्तियों, धार्मिक स्थलों से एक किलोमीटर दूर खोला जाय।

एडवोकेट विक्रम गौतम ने ज्ञापन देने के बाद बताया कि बस्ती जनपद समेत प्रदेश के अनेक जनपद मुख्यालयों, कस्बों व ग्रामीण क्षेत्रों मे विद्यालय, दलित वस्तियों, धार्मिक स्थलों के आस पास नियम विरूद्ध ढंग से शराब की दूकाने संचालित करायी जा रही हैं। यह पूरी तरह से नियम विरूद्ध है, इस पर व्यापक जनहित में रोक लगाया जाय।

रियूनियन महासचिव संदीप गोयल ने कहा कि विद्यालय, दलित वस्तियों, धार्मिक स्थलों के आस पास शराब की दूकानों के संचालन से वातावरण विकृत होता है। आये दिन लोग शराब का सेवन कर अराजकता की स्थिति पैदा कर देते हैं। शराब की लत के कारण अनेक परिवार बरबाद हो रहे हैं, ऐसे में मानको का पालन कर नियमानुसार की शराब के दूकानों को संचालित कराया जाय।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से अनुराग कुमार एडवोकेट, अश्विनी कुमार गौतम, गोविन्द प्रसाद एडवोकेट, आकाश आर्य, रामशंकर आजाद, दीपक कुमार एडवोकेट, सिकन्दर कुमार, दीपक राव, अमरेश चन्द्र, सुरेन्द्र कुमार, शैलेन्द्र कुमार, राकेश कुमार कन्नौजिया, प्रमोद कुमार आदि शामिल रहे।

पुरस्कार वितरण के साथ नृत्य धाम के दो माह के शिविर का समापनःनृत्य, रूप सज्जा का दिया गया प्रशिक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नृत्य धाम डांस एकेडमी द्वारा कोतवाली रोड स्थित नृत्य धाम पर ग्रीष्मकालीन दो माह तक नृत्य और रूप वस्त्र सज्जा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के बाद आयोजित प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

नृत्य गुरु मास्टर शिव ने बताया कि विगत दो माह से चल रहे नृत्य विरासत वर्कशॉप को मास्टर शिव, आँशि , शालिनी ,आदित्य, आंशी के कुशल प्रशिक्षण में भारतीय संस्कृति और परिधान के लिए प्रशिक्षित किया गया । इसमे शास्त्रीय विद्या के विभिन्न बारीकियों के गुण सीख रैंप वॉक पर भारतीय प्रधान और संस्कृति को अरिहंत अरु, गौरी प्रजापति तृषा चंद्र तनुष अपर्णा गिरी चंद्र रोज, अवि त्रिपाठी ,दृष्टि श्रीवास्तव, समृद्धि, कृष्णा, उत्कर्ष, आश्वी, लाडो, संस्कृति, तनिष्क, वान्या, प्रकृति, समृद्धि, समीक्षा, शगुन, नितेश, ऋषि, मान्या, अथर्व आदि ने अपना उत्कृष्ण प्रदर्शन किया। सफल प्रतिभागियों को अतिथियों ने प्रमाण–पत्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका उत्साहवर्धन किया।

मुख्य अतिथि राणा दिनेश प्रताप सिंह, विशिष्ट अतिथि राहुल श्रीवास्तव , शुभम वर्मा ने कहा कि दमकते चेहरों का तेज ताल पर तिरकते नन्हे कलाकारों के घुघुरूओं ने वशिष्ठ की भूमि को नृत्यमयी कर दिया।

इस अवसर पर प्रीति, चंद्रा, अंशिका, निधि श्रीवास्तव, प्रतिमा मिश्रा, सुहानी, भावना, कमलेश, धनुषधारी, हैरी शर्मा, मोहित, आशीष, प्रियंका प्रजापति, साक्षी श्रीवास्तव, श्याम वर्मा आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 जून 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

बाल श्रम के संकट

भारत में एक बड़ी आबादी आजादी के 75 साल बाद भी गरीबी के नीचे जीवन व्यतीत कर रही है। इस गरीबी का असर लाखों करोड़ों की संख्या में इस तबके के बच्चों के बचपन पर भी पड़ता है। कई बच्चे इस गरीबी के कारण पढाई–लिखाई छोड़कर छोटी–उम्र से ही काम काज में लग जाते है. कोई ढाबों में काम करता है तो कोई मैकेनिक की दुकानों में. हालांकि कई बार गरीबी के अलावा भी कारण होते हैं, जिस वजह से बच्चे छोटी उम्र से काम करने को मजबूर हो जाते हैं. इसमें परिवार का माहौल, परिवेश, माता – पिता से संबंध भी कारण होते है. बहरहाल कारण कुछ भी हों लेकिन भारत में बाल श्रम गैर कानूनी है और ऐसा करना दंडनीय अपराध है। इसके बावजूद बाल श्रम निरन्तर जारी है। सिर्फ कानून बनाने से कुछ हासिल नहीं होगा, व्यवहार में इसका पालन होना चाहिये।

मध्यप्रदेश के रायसेन जनपद में बाल श्रमिकों की बदहाली उजागर होना समाज में गरीबी–मजबूरी की नंगी सच्चाई बयां करता है। यह घटना एक खतरे की घंटी है कि जिन लोगों पर बच्चों के शोषण रोकने की जिम्मेदारी थी, वे निहित स्वार्थों के लिये कार्रवाई करने के बजाय मूकदर्शक बने हुए हैं। कुछ सप्ताह पूर्व राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग यानी एनसीपीसीआर की टीम ने रायसेन की एक शराब फैक्ट्री में भयावह स्थितियों में 19 लड़कियों समेत 58 नाबालिगों को काम करते हुए पकड़ा। इन बच्चों में से कई रासायनिक पदार्थों से प्रभावित भी हुए हैं। विडंबना देखिए कि इस छापे में बचाये गए 39 नाबालिग श्रमिक बाद में लापता हो गए। एनसीपीसीआर के अधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ बाल श्रम का ही मामला नहीं है बल्कि यह मानव तस्करी से भी जुड़ा है। कुछ बच्चे अन्य राज्यों से लाए गए हैं। इस मामले में जवाबदेही में घोर लापरवाही और भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा तमाम नियामक संस्थाएं भी सवालों के घेरे में हैं। जिन्होंने फैक्टरी मालिकों से मिलीभगत करते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की। इस गंभीर मामले में ढिलाई कई सवालों को जन्म देती है। जिसका निष्कर्ष है कि बाल श्रम उन्मूलन राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल नहीं रहा है। यही वजह है कि कानून के तहत कार्रवाई होती नजर नहीं आई। जिसके चलते बाल श्रमिकों का शोषण लगातार जारी रहा।

नोबेल पुरस्कार विजेता और देश में बचपन बचाओ आंदोलन के प्रणेता कैलाश सत्यार्थी लंबे समय से भारत में बाल शोषण के खिलाफ मुहिम चलाते रहे हैं। उनकी संस्था बचपन बचाओ आंदोलन और सहयोगी संगठनों की मदद से जोखिम वाले उद्योगों, कालीन उद्योग व ईंट–भट्टों से लाखों बच्चों को बचाया जा सका। लेकिन तंत्र की काहिली से संकट को जड़ से समाप्त नहीं किया जा सका। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, विश्व भर में 16 करोड़ से अधिक बच्चे विषम परिस्थितियों में बाल श्रमिक के रूप में काम कर रहे हैं। भारत में यह संख्या श्रमिकों का ग्यारह प्रतिशत बतायी जाती है। दरअसल, कोविड–19 के संकट ने बच्चों के शोषण को अप्रत्याशित रूप से बढ़ाया है। मां–बाप को काम न मिलने की स्थिति में बच्चों का स्कूल छूटा और वे कम उम्र में श्रमिक बनकर विभिन्न उद्योगों में काम कर रहे हैं। दरअसल, कोरोना संकट के बाद मानव तस्करी के मामलों में विश्वव्यापी वृद्धि देखी गई है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को इस संकट ने गरीबी की दलदल में धकेला है। घर की आय पर आए संकट ने बड़ी संख्या में बच्चों को स्कूल छोड़ने को मजबूर किया। जिसने बाल श्रम को बढ़ावा दिया। दरअसल, बालश्रम व मानव तस्करी एक संगठित अपराध के रूप में बच्चों पर संकट की वजह बना हुआ है। रायसेन का मामला अपराधियों पर कठोर कार्रवाई की जरूरत बताता है। हमें इस दिशा में गंभीर कोशिश करनी होगी तथा बच्चों के पुनर्वास के लिये प्रयास करने होंगे। ये समाज, फैक्टरी मालिकों व सरकार की नैतिक जिम्मेदारी भी है।

विकास के नाम पर यूपी में जारी पेड़ों की कटान

—विनीत नारायण —

पूरी दुनिया भीषण गर्मी से झुलस रही है। हजारों लोग गर्मी की मार से बेहाल हो कर मर चुके हैं। दुनिया के हर कोने से एक ही आवाज उठ रही है, कि पेड़ बचाओ–पेड़ लगाओ। क्योंकि पेड़ ही गर्मी की मार से बचा सकते हैं। ये हवा में नमी को बढ़ाते हैं और मेघों को आकर्षित करते हैं, जिससे वर्षा होती है। आप 2 करोड़ की कार को जब पार्किंग में खड़ा करते हैं तो किसी पेड़ की छांव ढूंढते हैं क्योंकि बिना छांव के खड़ी आपकी कार 10 मिनट में भट्टी की तरह तपने लगती है। इस बार हज में जो एक हजार से ज्यादा लोग अब तक गर्मी से मरे हैं वे शायद न मरते अगर उन्हें पेड़ों की छाया नसीब हो जाती। चलो वहां तो रेगिस्तान है पर भारत तो सुजलाम सुफलाम मलयज शीतलाम, शस्यश्यामलाम वाला देश है।

जिसका वर्णन हमारे शास्त्रों, साहित्य और इतिहास में ही नहीं चित्रकारी और मूर्तिकला में भी परिलक्षित होता है। पर दुर्भाग्य देखिए कि आज भारत भूमि तेजी से वृक्षविहीन हो रही है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि तमाम प्रयासों के बावजूद भारत का हरित आवरण भूभाग का कुल 24.56 प्रतिशत ही है। ये सरकारी आंकड़े हैं, जमीनी हकीकत आप खुद जानते हैं। अगर हवाई जहाज से आप भारत के ऊपर उड़ें तो आपको सैंकड़ों मीलों तक धूल भरी आंधियां और सूखी जमीन नजर आती है। पर्यावरण की दृष्टि से कुल भू–भाग का 34 फीसदी अगर हरित आवरण हो तो हमारा जीवन सुरक्षित रह सकता है।

भवन निर्माताओं की अंधी दौड़, बढ़ता शहरीकरण व औद्योगीकरण, आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए बड़ी–बड़ी परियोजनाएं, जंगलों के कटान के लिए जिम्मेदार हैं। मानवशास्त्र विज्ञान ने ये सिद्ध किया है कि पर्यावरण की सुरक्षा का सबसे बड़ा काम जनजातीय लोग करते हैं। वे कभी गीले पेड़ नहीं काटते, हमेशा सूखी लकडियां ही चुनते हैं। वे वृक्षों की पूजा करते हैं। पर जब खान माफिया या बड़ी परियोजना की गिद्ध दृष्टि वनों पर पड़ती है तो वन ही नहीं वन्य जीवन भी कुछ महीनों में नष्ट हो जाता है। पर्यावरण की रक्षा के लिए बने कानून और अदालतें केवल कागजों पर दिखाई देते हैं। भारत का सनातन धर्म सदा से प्रकृति की पूजा करता आया है। ङ्क्षचता की बात यह है कि आज सनातन धर्म के नाम पर ही पर्यावरण का विनाश हो रहा है।

समाचार पत्रों से सूचना मिली है कि कांवडियों के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक विशिष्ट मार्ग का निर्माण किया जाना है, जिसके लिए 33 हजार वृक्षों को काटा जाएगा। इससे पर्यावरणवादियों को ही नहीं, आम जन को भी बहुत चिंता है। दरअसल उत्तर प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.) को सूचित किया है कि गाजियाबाद, मेरठ और मुजफ्फरनगर में फैली 111 किलोमीटर लंबी कांवड़ मार्ग परियोजना के लिए 33 हजार से अधिक पूर्ण विकसित पेड़ों और लगभग 80 हजार पौधों को काटा जाएगा। गौरतलब है कि इस परियोजना में 10 बड़े पुल, 27 छोटे पुल और एक रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण शामिल है और इस परियोजना की लागत 658 करोड़ रुपए होगी। सोचने वाली बात है कि इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों को काटने की योजना ऐसे समय में आई है जब भारत के कई राज्य कई हफ्तों से भीषण गर्मी की चपेट में हैं।

भीषण तापमान ने 200 से अधिक लोगों की जान ले ली है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा पहले यू.पी. सरकार को 3 जिलों में परियोजना के लिए कुल 1,10,000 पेड़–पौधों को काटने की अनुमति देने के बाद नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने मामले का स्वतरू संज्ञान लिया है। इस मामले की अगली सुनवाई जुलाई 2024 के लिए निर्धारित की गई है और एन.जी.टी. ने यूपी सरकार से परियोजना का विस्तृत विवरण मांगा है, जिसमें काटे जाने वाले पेड़ों का विवरण भी शामिल है। हजारों पेड़ों की इस कदर निर्मम कटाई से क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। तापमान में वृद्धि जारी रहेगी, बारिश का पैटर्न भी बाधित होगा और हवा और भी जहरीली हो जाएगी। हमें विकास और पारिस्थितिकी संरक्षण के बीच संतुलन बनाना होगा।

परियोजना की पर्यावरणीय लागत की भरपाई के लिए, यू.पी. सरकार ने ललितपुर जिले में वनीकरण के लिए 222 हैक्टेयर भूमि की चिन्हित की है, जो कि इस क्षेत्र से, जहां से पेड़ काटे जाएंगे काफी दूर है। क्या ये वनीकरण, कांवड़ यात्रा मार्ग पर शुरू होने जा रही परियोजना की लागत के अनुरूप मुआवजा होगा? कुछ वन्य प्रेमी संस्थाओं ने इसका विरोध करते हुए एक ऑनलाइन याचिका भी दायर की है, जिसे हजारों लोगों का समर्थन मिल रहा है। 2013 में केदारनाथ में बदल फटने के बाद उत्तराखंड में हुई भयावह तबाही और जान–माल की हानि से प्रदेश और देश की सरकार ने कुछ नहीं सीखा। आज भी वहां व अन्य प्रांतों के पहाड़ों पर तबाही का यह तांडव जारी है।

केंद्र और राज्य में सरकारें चाहे किसी भी दल की रही हों चिंता की बात यह है कि हमारे नीति निर्धारक और सत्ताधीश इन त्रासदियों के बाद भी पहाड़ों पर इस तरह के विनाशकारी निर्माण को पूरी तरह प्रतिबंधित करने को तैयार नहीं हैं।

विदेश नीति में संशय के निहितार्थ

—ज्योति मल्होत्रा—

हालिया चुनावी परिणामों से, राजनीति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की और हिंदुत्व के गढ़ के ऊपर भाजपा की मजबूत पकड़ ढीली पड़ी है और परेशानी बढ़ी है। 18वीं लोकसभा के आगामी मानसून सत्र की दृश्यावली अवश्य ही भविष्य का मंजर प्रस्तुत करेगी। लेकिन एक बड़ा खेल जो शेष दुनिया में चल रहा है, जिसमें अमेरिका, रूस, चीन मुख्य ध्रुव हैं, यह देखना रोचक होगा कि ये देश अशांत क्षेत्र में स्थिरीकरण शक्ति की हैसियत रखने वाले भारतीय दावे को किस तरह लेंगे।

प्रथम चीज सर्वप्रथम, गत सप्ताह के शुरू में, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार 79 वर्षीय अजीत डोभाल कीदृइस शक्तिशाली पद पर विराजमान, खुफिया विभाग के पूर्व मुखिया और अब तीसरी बार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारदृ नई दिल्ली में अपने अमेरिकी समकक्ष जैक सुलचि से भेंटवार्ता हुई, जिसका एक मुख्य उद्देश्य अमेरिका से भारत को महत्वपूर्ण तकनीकों के हस्तांतरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना था। इस मुलाकात का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता से पहले, डोभाल और सुलिवन बगैर सहायकों व कमरे में किसी और की मौजूदगी रखे बिना मिले और यह बैठक कम–से–कम 30–40 मिनट चली। अवश्य ही किसी टेबल लैंप के बेस में या कीमती कलाकृति के पीछे रिकॉर्डिंग उपकरण छिपाया रहा होगा दृजेम्स बॉन्ड की फिल्मों के शौकीन अब इतना तो जानते ही हैं– और दोनों ने ही बाद में अपने–अपने अधिकारियों से निजी वार्ता के मुख्य बिंदु साझा किए होंगे।

परंतु यहां गलती न करें। बाकी मुलाकातें चाहे कितनी भी अहम रही हों जैसे कि आईसीईटी जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों को लेकर या प्रधानमंत्री–सुलिवन भेंट या फिर विदेश मंत्री एस जयशंकर और सुलिवन के बीच 'चाय पर चर्चा', कोई भी डोभाल–सुलिवन के मध्य निजी बातचीत जितनी महत्वपूर्ण नहीं थी (गौरतलब है कि इस बीच अमेरिका के उप–विदेशमंत्री कर्ट कैम्पबेल, जो कि चीन के मामले में अमेरिका के शीर्ष कूटनीतिज्ञ हैं, वे भी दिल्ली में थे)। और इसीलिए शेष तमाम विवरण नेपथ्य में चला गयादृ इसमें दिल्ली में शानदार सजावट वाला हैदराबाद हाउस, जो कि उच्चतम स्तर की तमाम राजनयिक वार्ताओं के लिए मुलाकात–स्थल है, वहां दिया आधिकारिक भोज भी शामिल है – यह शिष्टाचार निभाने के साथ अपने रुख पर दृढ़ रहने के उद्देश्य से भी है।

अवश्य ही बातचीत का एक विषय न्यूयॉर्क वासी और खालिस्तान के पैरोकार गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के प्रयास में भारत की कथित संलिप्तता के इर्द–गिर्द रहा होगा। न्यायालय में दाखिल अमेरिकी अभियोजन के अनुसार, एक भारतीय नागरिक निखिल गुप्तादृ जिसका चेक रिपब्लिक से अमेरिका को प्रत्यावर्तन ठीक उसी दिन हुआ जब नई दिल्ली में डोभाल–सुलिवन वार्ता जारी थीदृ उसको कथित तौर पर 'सीसी–1' नामक एक सह–साजिशकर्ता ने पन्नू को मरवाने का काम सौंपा। 'वाशिंगटन पोस्ट' ने अपने हालिया रहस्योद्घाटन में उसकी पहचान बताई है, जो कि भारत की विदेशों में गुप्तचर एजेंसी 'रॉ' में एक अधिकारी है।

अब तक हमें यही सब पता है। हम यह भी जानते हैं कि जिस वक्त मामले की परतें खुल रही थी, भारतीयों ने अमेरिकियों को शांत करने के प्रयास किए, जिसके तहत उसके मूल कैडर में तबादला कर दिया गया। माना जाता है कि वह देश में लौट चुका है और मक्खियों और भावी–माओवादी, दोनों पर, घात लगाकर कार्रवाई के काम में व्यस्त होगा। पन्नू को मारने का यह कथित काम आज से ठीक एक साल पहले यानी 22 जून को अंजाम दिया जाना था दृबेशक अमेरिकी एजेंटों ने इसे नाकामयाब कर दिया, तभी तो पन्नू आज भी जिंदा है, और शायद न्यूयॉर्क स्थित अपने घर में 'बैजल–एंड–चीज' या फिर आलू के परांठों का आनंद ले रहा होगा। हालिया लोकसभा चुनाव में वह लोगों को पंजाबी में दिए अपने वॉयस–मैसेज में आह्वान कर रहा था कि वे अमृतपाल सिंह जैसे कट्टरपंथियों को जिताएं, भले ही वह खडूर साहिब सीट जीत भी गया, लेकिन इसके पीछे बड़ी वजह है पंजाब का 'दिल्ली' के प्रति स्थाई गुस्सा न कि पन्नू के पृथकतावादी संदेशों से बना भावावेश। भावार्थ यह कि पन्नू जिंदा हो या मुर्दा, वह अप्रांसगिक है। इस मुद्दे पर सुलिवन और डोभाल ने अपने हिसाब से इस विषय को निपटाया होगा, डोभाल माफी मांगने वालों में नहीं हैंदृ अपने आत्मसम्मान का ख्याल रखने वाला कोई भी खुफिया अधिकारी ऐसा कभी नहीं करना चाहेगा, और फिर वे क्षमायाचना करें भी किसलिए दृ लेकिन सभी पक्षों को मालूम है कि उच्च दांवों वाले इस खेल में सभी मुल्क एक–दूसरे की अक्ल, ताकत और कूवत को नापते हैं, जो कि आज भारत का हाथ कुछ हल्का है।

लेकिन भारतीयों का इतिहास इस बारे में लंबा है। ऐसा एक मामला है 'रॉ' अधिकारी रबिंदर सिंह का, जिसे वर्ष 2004 में अमेरिकी एजेंटों ने अपने काम को अंजाम देते पहचान लिया था। भारतीय पक्ष के लोग आज भी नहीं भूले होंगे कि कैसे उसको अमेरिका से चोरी–छिपे निकालकर, नेपाल के रास्ते भारत वापस लाया जा सका था, जबकि तब तक दोनों देश एक–दूसरे का 'नैसर्गिक सहयोगी' होने की कसम खा चुके थे। वे जिन्हें जासूसी फिल्में देखने का चस्का है, उन्हें विशाल भारद्वाज द्वारा निर्मित फिल्म 'खुफिया', अगर पहले न देखी हो तो आज ही देखनी चाहिए दृ और पाएंगे कि प्रचलित किस्सों के बरअक्स हकीकत कहीं अधिक गंदली, उदास करने वाली और तड़क–भड़क विहीन होती है।

आज की तारीख में ज्यादा अहम सवाल यह है कि जब मोदी ने तीसरी बार बागडोर संभाली है, भारत किस किस्म के रिश्ते अमेरिका से चाहता है और यही बात उस पर भी लागू है। और फिर भारत का एक छोटा मसला है, रूस से अपने पुराने संबंध यथावत रखने पर डटे रहना, इसके पीछे दो बड़ी वजहें हैं, प्रथम, उससे सस्ता तेल मिलना जारी है दृ यह भी खुला रहस्य है कि भारत इसका पुनरू निर्यात किफायती तेल को तरस रहे यूरोप के तेल–शोधक कारखानों को कर रहा है, जबकि खुद उन्होंने दो साल पहले, यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद, उससे तेल सीधा खरीदने पर रोक लगा रखी है। दूसरा, भारत की रूसी हथियारों पर निर्भरता आज भी कायम है। इसलिए भी, भारत ने स्पष्ट कर रखा है कि वह यूक्रेन के मामले में मध्य–मार्गी रहेगा।

अतएव, यह संभावना अधिक है कि अक्तूबर माह में मोदी ब्रिक्स के अगले शिखर सम्मेलन में भाग लेने रूस के बीचों–बीच स्थित कजान पहुंचेंगे। यह शहर प्रतीक है रूस के ऑर्थोडॉक्स जार, ईवान दे टेरीबल की मंगोलों पर 1552 में पाई विजय और अभूतपूर्व बड़े पैमाने पर इस्लाम के प्रसार का (इतने बड़े स्तर पर किसी अन्य ने यह काम न किया होगा)। ब्राजील– रूस–भारत–चीन–दक्षिण अफ्रीका ब्रिक्स के संस्थापक सदस्य हैं, अब इसको विस्तार देते हुए यूएई और सऊदी अरब को भी शामिल किया गया है। सनद रहे, मंगोलों पर ईवान की जीत वर्ष 1526 में बाबर का हिंदुस्तान का शहंशाह बनने के केवल 26 साल बाद हुई थी।

देखा जाए तो, व्लादिमीर पुतिन की तरफ मोदी की यात्रा लंबित है, क्योंकि दिसम्बर, 2021 में वे भारत आए थे, अब बारी प्रधानमंत्री मोदी की है, विशेषकर, जब जुलाई में कजाखस्तान के अस्ताना में, चीन के नेतृत्व वाले शंघाई सहयोग संगठन के आगामी सम्मेलन में भाग लेने मोदी नहीं जाएंगे। अलबत्ता चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग की भांति पुतिन भी अस्ताना में उपस्थित होंगे क्योंकि वह एकदम पड़ोसी मुल्क है। लेकिन, भारत के साथ लगती सीमा वास्तविक नियंत्रण रेखा पर आज भी चीनी फौजी बैठे हैं, शायद इसलिए मोदी का मानना है कि दिखावे के ऐसे शिष्टाचार से जितना दूर रहा जा सकता है, उतना ही बेहतर।

जरा अंदाजा लगाएं कि मोदी की कजान यात्रा पर कौन नजदीकी नजर रखेगा? अमेरिका से लेकर भारत तक, बारास्ता रूस एवं चीन, बड़ा खेल यकीनन जारी है, और जमकर।–लेखिका द ट्रिब्यून की प्रधान संपादक हैं।

कृत्रिम मेधा का नया रचनात्मक युग

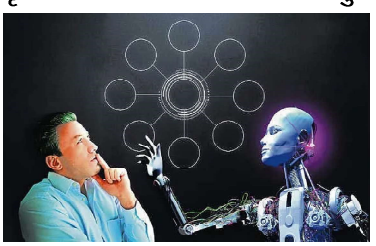

—सुरेश सेठ—

युग बदल गया। इंटरनैट की शक्ति 5जी और 6जी तक उड़ान भरने लगी। रोबोट्स की दुनिया तीसरी दुनिया के देशों में भी प्रवेश कर गई। जहां आबादी कम है और श्रमबल की आवश्यकता अधिक है, वहां तो रोबोट्स की यह नई दुनिया बहुत उपयोगी है। लेकिन दुनिया में भारत जैसे अत्यधिक आबादी वाले देशों को तो रोबोट्स के इस्तेमाल के बारे में कुछ नये पैमाने अपनाने पड़ेंगे। रोबोट हो या कृत्रिम मेधा, इनके प्रतिमान भारत जैसे देशों में सहयोगी हो सकते हैं, मशाल लेकर आगे–आगे चलने वाले नहीं।

इसके अतिरिक्त कृत्रिम मेधा की इस तेजी से विकसित होती दुनिया में हम व्यक्ति की अभिव्यक्ति का हूबहू प्रतिरूप तो पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन अब अनुभव बता रहा है कि कृत्रिम मेधा की इस दुनिया में संवेदना, उत्साह, भावुकता और रिश्तों के पुलों का भी तो अपना एक महत्व है। निस्संदेह, पुतले तो राष्ट्रीयता की बात नहीं कर सकते। कृत्रिम मेधा के प्रतिरूप कलात्मक मौलिकता की उड़ानें नहीं भर सकते। इस बात को पूरी दुनिया ने ही नहीं, तीसरी दुनिया के अग्रणी भारत जैसे देशों ने भी बड़ी शिद्दत के साथ महसूस किया है।

अगर भारत को 2047 के आजादी के शतकीय उत्सव में एक विकसित राष्ट्र बनना है तो यह विकास समावेशी विकास होना चाहिए। इसका अर्थ यह है कि समाज का कोई भी वर्ग अपने आप को पिछड़ता हुआ महसूस न करे और संतुलित प्रगति के पथ पर हर कदम साथ–साथ चले। समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना पड़ेगा। पिछड़े और अगड़ों की यह भावना खत्म हो और सभी एक ही धरातल पर उद्यम करते हुए जिएं।

आज दुनिया में साम्राज्यवाद के खिलाफ अब तीसरी दुनिया और अफ्रीका के देश तेजी से आंखें खोल रहे हैं। भारत की अध्यक्षता में जी–20 के शिखर सम्मेलनों में अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य बनाया गया। आज भारत अफ्रीका के सभी देशों के आर्थिक और सामाजिक विकास, स्थिरता और सुरक्षा में योगदान दे रहा है। पिछले दशक में अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में भारत की आवाज बुलंद हुई है। इसका कारण यही है कि चाहे यह रूस और यूक्रेन का अंतहीन लगता हुआ हिंसक युद्ध हो या हमास और इसराइल का भयावह हिंसक तांडव, भारत ने हमेशा शांति और संवाद की पैरवी की है। उसका कहना गलत साबित नहीं हुआ क्योंकि जिस प्रकार दुनिया का व्यापार अस्त–व्यस्त हुआ। आपूर्ति चौनल गड़बड़ा गए और मानवता की बेचारगी सबके सामने स्पष्ट हो गई, वह यही कह रही थी कि भारत की आवाज सही थी और युद्धोन्माद में हथियार संपन्न व्यवसायी देशों द्वारा हथियार बेचने की ललक गलत है।

जी–7 सम्मेलन से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक नई आवाज उठाई है। उन्होंने यह कहा है कि हम समाज के हर वर्ग के विकास को मुख्यधारा से जोड़ने को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कृत्रिम मेधा के महत्व को नकारा नहीं और कहा कि इतने बड़े देश के लोकतांत्रिक चुनावों में अगर हम कुछ घंटों में ही निष्पक्ष और तटस्थ चुनाव परिणाम दे पाए तो यह कृत्रिम मेधा की शक्ति का ही परिणाम है। लेकिन गड़बड़ वहां हो जाती है जहां समर्थ और संपन्न अपनी वैज्ञानिक और अन्वेषक शक्ति के कारण कृत्रिम मेधा से लेकर रोबोटिक युग तक अपना एकाधिकार जमा लें।

जहां तक कृत्रिम मेधा का संबंध है, उसके साथ डीपफेक की जो शक्ति विकसित हो गई है, जिसमें आप किसी भी युग, किसी भी व्यक्ति को न केवल हूबहू साकार कर सकते हैं, बल्कि उसके मुंह में अपना बयान डाल सकते हैं। इसलिए जिंदगी में सही क्या है और गलत क्या है, इसकी पहचान करना और भी कठिन हो गया है। इसका उत्तर यही है कि अगर कृत्रिम मेधा की यह शक्ति रचनात्मकता और मौलिकता का दामन नहीं छोड़े, मानवीय संवेदनाओं को कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल से मौलिकता का एक नया रंग दे तो भारत में जय जवान, जय किसान और जय अनुसंधान का जो नारा आपने विकास के लिए दे रखा है, उसमें अनुसंधान को नई मंजिलें तय करते देर नहीं लगेगी। लेकिन याद रखा जाए कि ये मंजिलें निर्माणात्मक होनी चाहिए। मानवीय संवेदना और मानवीय आदर्शों का परिवर्धन करने वाली होनी चाहिए।

भारत ने घोषणा की है कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर राष्ट्रीय रणनीति तैयार करने वाले पहले कुछ देशों में से एक है और भारत का नया नारा है 'एआई फॉर ऑल' अर्थात कृत्रिम मेधा सबके लिए। इस कृत्रिम मेधा को पारदर्शी, निष्पक्ष, सुरक्षित, सुलभ और जिम्मेदार बनाया जाए, इसके लिए सबको मिलजुल कर काम करना होगा। बेशक पर्यावरण प्रदूषण के क्षेत्र में 2070 तक भारत नेट जीरो के लक्ष्य को हासिल करने का हरसंभव प्रयास करेगा और आने वाले समय को हरित युग बनाया जाएगा जहां एक समावेशी प्रयास में जुटे हुए सब देश होंगे और संपन्न देश भी अपनी स्वार्थपरता भूल कर तीसरी दुनिया के देशों के साथ हाथ से हाथ मिलाकर चलेंगे।

लेखक साहित्यकार हैं।

तहसील बार के अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन के साथ की नारेबाजी

संवाददाता–देवरिया। डीएम और जिला अधिवक्ता संघ के बीच हुए विवाद को लेकर सदर तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष युगुल किशोर तिवारी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने डीएम के तबादले की मांग को लेकर परिसर में धरना, प्रदर्शन किया। इसमें वक्ताओं ने कहा कि जिले भर के अधिवक्ताओं की मांग के बाद भी राज्य सरकार द्वारा कार्यवाही नहीं करने से अधिवक्ताओं में रोष है। अध्यक्ष युगुल किशोर तिवारी ने कहा कि प्रशासन उनकी मांगें नहीं मानता है तो वह तालाबंदी के साथ ही अनशन भी करने को बाध्य होंगे। प्रदर्शन में अजय श्रीवास्तव, राधेश्याम पटेल, राकेश शाही, नीलकंठ तिवारी, विनोद सिंह, शिव गोविंद शर्मा, सामंत मिश्र, महेन्द्र देव सिंह, राम ईश्वर सिंह, रामछबीला यादव, आशुतोष मणि, राजीव त्रिपाठी, विजय सेन यादव, रविन्द्र यादव, रमाशंकर मिश्र, सत्य प्रकाश मिश्र, बेचू चौहान, राजाराम, विनोद मणि, संतोष पाठक, कमल मणि, अशोक श्रीवास्तव, युसूफ खान, तेज प्रताप पाण्डेय आदि शामिल रहे।

तीन बोटा जंगली शीशम के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। वन विभाग बरहवा रेंज की टीम ने तीन बोटा जंगली शीशम लकड़ी के साथ एक आरोपी को पकड़कर जेल भेजा है। बरहवा रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी राकेश पाठक ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सोमवार सुबह तैदुआ नगर बीट कक्ष संख्या दो से तीन बोटा जंगली शीशम लकड़ी काटकर एक व्यक्ति साइकिल से ले जा रहा

डीएम ने छित्तुरपुर–भागलपुर तटबंधों का किया निरीक्षण

संवाददाता–देवरिया। जिलाधिकारी अखण्ड प्रताप सिंह ने सोमवार को सरयू नदी पर निर्मित छित्तुरपुर–भागलपुर तटबंधों का निरीक्षण कर मानसून आने से पूर्व बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी दो परियोजनाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाएं शासन की मंशानुरुप समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाय।

उन्होंने सरयू नदी के बायें तट पर निर्मित छित्तुरपुर–भागलपुर तटबंध के 2 किलोमीटर निकट ग्राम देवसिया की कटाव निरोधक कार्य का निरीक्षण किया। बताया गया कि इस परियोजना की लागत 931.65 लाख है। इस दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील बरहज में भागलपुर के पास देवसिया गांव में 10 कटर निर्माणाधीन है। पिछले वर्ष यह देखा गया था कि बलिया में बने स्ट्रक्चर के पश्चात यह नदी इस गांव के तरफ कटान शुरु किया था।

यहां बन रहे 10 स्ट्रक्चर का प्रभाव परिलक्षित होना यहां दिख रहा है, धारा दूसरे रुप में परिवर्तित हो रही है। इस बार आईएमडी द्वारा यह घोषणा है कि इस बार पानी थोड़ा ज्यादा बरस सकता है। जिसके दृष्टिगत भ्रमण कर बाढ़ की तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। जनपद में जितने भी बाढ़ चौकियां है, वे पूरी तरह क्रियाशील होने की स्थिति में है। बाढ़ से संबंधित जितने की कार्य टेंडर थे, उनको कर दिया गया है संबंधित अधिकारी भी क्षेत्र के क्रियाशील है।

यदि कोई भी समस्या आयेगी तो जिला प्रशासन उससे तत्परता से निपट पायेगा। इसके उपरान्त उन्होंने घाघरा नदी के तट पर निर्मित छित्तुपुर– भागलपुर तटबंध के ड्राउन स्ट्रीम में 0.4–0.9 किलोमीटर के मध्य भागलपुर कस्बे की कटाव निरोधक कार्य लागत 1030.47 लाख का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को तटबंधों की सुरक्षा सहित लोगों की सुरक्षा आदि के सभी जरुरी कदम उठाये जाने के दृष्टिगत तैयारी करने के निर्देश दिये।

इस दौरान एसडीएम बरहज अंगद यादव, प्रशिक्षु एसडीएम धीरेंद्र कुमार, अधिशासी अभियंता बाढ़ नियंत्रण खंड राधेश्याम प्रसाद, तहसीलदार अरुण यादव आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ पर लटका मिला शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

संवाददाता–महराजगंज। सोमवार को सुबह में पनियरा थाना क्षेत्र के जंगल बड़हरा चौरी टोला के पास लिपटस के पेड़ पर संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का लटका शव मिला। सूचना पर पहुंची पनियरा पुलिस जांच में पड़ताल में जुट गई है। मौके पर मौजूद ग्रामीणों से घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए अस्पताल महराजगंज भेज दिया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच कराएं जाने के साथ और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस के अनुसार, पनियरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जंगल बड़हरा टोला चौरी निवासी अभिषेक(19)अभी हाल ही में एक हप्ता पूर्व मुंबई से कमाकर घर आया था। बताया जा रहा है कि सुबह में गांव एक महिला चौरी मंदिर के आगे पूरब दिशा की तरफ टहलने के लिए गई थी। इसी दौरान उसकी नजर लिपटस के पेड़ पर लटके शव पड़ गई। महिला की चिख पुकार सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच पड़ताल की हैं और शव को पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

उधर मृतक युवक अभिषेक की मां आरती का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। उसने आरोप लगाया है कि मेरे जवान बेटे की हत्या करके उसके शव को पेड़ पर लटका दिया गया है। क्योंकि, उसके शरीर पर कई जगह जगह चोट निशान दिखाई दिया है, इससे प्रतीत हो रहा है। उसकी हत्या करके आत्महत्या की रुप देने के लिए उसके शव पेड़ पर लटका दिया गया होगा। पुलिस अधीक्षक से मांग कि इस घटना की पुलिस निष्पक्ष जांच पड़ताल कराएं और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाय।

पुलिस के मृतक युवक के बड़ी बहन सरिता की विवाह गोरखपुर जिले के कुसमी में हो चुकी है। जबकि मृतक अभिषेक और अनुज की शादी नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार मृतक युवक की विवाह दिसंबर महीने में तय हुई है। प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार सिंह का कहना है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है ।रिपोर्ट के आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएंगी युवक की मौत किन कारणों से हुई है। मृतक युवक अभिषेक की मां आरती का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। उसने आरोप लगाया है कि मेरे जवान बेटे की हत्या करके उसके शव को पेड़ पर लटका दिया गया है। क्योंकि, उसके शरीर पर कई जगह जगह चोट निशान दिखाई दिया है, इससे प्रतीत हो रहा है। उसकी हत्या करके आत्महत्या की रुप देने के लिए उसके शव पेड़ पर लटका दिया गया होगा।

पात्रों को घर बनाने के लिए मिलेंगे एक लाख 20 हजार

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के दिव्यांग व निराश्रित महिलाओं के साथ–साथ भिक्षावृत्ति करने वाले परिवारों को जल्द ही मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाएगा। इस योजना के तहत पात्रों को घर बनाने के लिए एक लाख 20 हजार रुपए सहायता राशि दी जाएगी। ग्राम्य विकास अभिकरण के उप निदेशक ने जिले के सभी खंड विकास अधिकारियों को दिव्यांग व निराश्रित महिलाओं के साथ–साथ भिक्षावृत्ति करने वाले परिवारों को चिन्हित कर सूची मुख्यालय पर भेजने का निर्देश दिया है। बीडीओ ने सभी ब्लाक क्षेत्रों में पात्रों को चिन्हित करने का काम शुरू कर दिया है।

लोकसभा चुनाव के चलते सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर रोक लगी थी। चुनाव सम्पन्न होने के बाद शासन ने दिव्यांगों, निराश्रित महिलाओं, भिक्षावृत्ति करने वाले परिवार व गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को भी योजना का लाभ देने का निर्देश दिया है। शासन के इस योजना से जिले के हजारों परिवारों को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत सरकारी ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे मकान में रहने वाले परिवारों को घर बनाने के लिए एक लाख 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देती है। योजना का लाभ उन्हीं लोगों को दिया जाता था, जिनके पास मकान बनाने के लिए जमीन हो, लेकिन दिव्यांग व्यक्तियों के पास जमीन न होने पर भी सरकार उन्हें योजना का लाभ प्रदान करेगी। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को आधार कार्ड, निवास, आय प्रमाण–पत्र, राशन कार्ड, बैंक पासबुक आदि ग्राम पंचायत सचिव को देना होगा। दिव्यांग को सीएमओ कार्यालय से जारी दिव्यांगता प्रमाण–पत्र भी देना आवश्यक है। योजना की धनराशि तीन किस्तों में अदा की जाएगी। जिसमें पहली किश्त 40 हजार व दूसरी किश्त 70 हजार के साथ 10 हजार रुपए की अंतिम किश्त लाभार्थी को मिलेगी।

सीएम आवास योजना के लाभार्थियों को घर बनाने के लिए दी जाने वाली धनराशि के अलावा प्रत्येक लाभार्थी को शौचालय निर्माण के लिए 15–15 हजार रुपए की धनराशि जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय से मिलेगा। इसके अलावा मकान निर्माण के लिए मनरेगा योजना से 20 दिन की मजदूरी का भी भुगतान लाभार्थी को किया जाएगा। मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों का पंजीकरण के समय शपथ–पत्र भरवाया जाएगा। फर्जीवाड़ा होने पर दी गई धनराशि की रिकवरी सम्बन्धित से की जाएगी।

सीपी श्रीवास्तव, पीडी बलरामपुर ने कहा कि शासन के निर्देश पर मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चिन्हित करने का काम शुरू किया गया है। सभी खंड विकास अधिकारियों को पात्रों को चिन्हित कर सूची भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

बार एसोसिएशन ने जिला जज को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–बहराइच। ग्राम न्यायालय नानपारा में जिला जज व मुख्य ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट सोमवार को निरीक्षण के लिए नानपारा पहुंचे। ग्राम न्यायालय से संबंधित पत्रावलियों को जनपद न्यायालय से भेजवाने को लेकर बार एसोसिएशन नानपारा अध्यक्ष मो. अरशद व महामंत्री रामगोपाल वर्मा की अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल ने जिला जज उत्कर्ष चतुर्वेदी से मिलकर ज्ञापन पत्र सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि सिविल कोर्ट बहराइच से ग्राम न्यायालय के क्षेत्राधिकार की कुछ पत्रावली भेजी गई। जिसे पुनः वापस मंगा ली गई। ग्राम न्यायालय से सम्बंधित समस्त पत्रावली भेजी जाय। प्रशासनिक जज व उच्च न्यायालय को इस सम्बंध में रजिस्टर्ड डाक से पत्र भेजा गया है। अब तक पत्रावलियां नहीं भेजी गई। जिला जज ने बार एसोसिएशन प्रतिनिधि मंडल को जिले पर गुरुवार को वार्ता के लिए बुलाया है। इस अवसर पर मुख्य ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट शिवेंद्र कुमार मिश्रा, ग्राम न्यायालय न्याय अधिकारी अनिल चौधरी,स्टाफ व तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

अध्यक्ष के तीन व महामंत्री के दो नामांकन दाखिल

संवाददाता–श्रावस्ती। तहसील जमुनहा अधिवक्ता संघ के विभिन्न पदों पर चुनाव होना है। इसके लिए सोमवार को नामांकन प्रक्रिया पूरी की गई। 28 जून को मतदान व उसी दिन मतगणना कराई जाएगी।

जमुनहा तहसील अधिवक्ता संघ चुनाव के लिए सोमवार को विभिन्न पदों पर नामांकन दाखिल किए गए। जिसमें अध्यक्ष के लिए तीन व महामंत्री पद के लिए दो नामांकन पत्र भरा गया। अध्यक्ष पद के लिए अजय कुमार पांडेय, शुभ करन शर्मा व आरएन सिंह ने नामांकन कराया। इसी तरह से महामंत्री पद के लिए गुरु दयाल भार्गव व हरीश कुमार यादव ने नामांकन पत्र दाखिल किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए मात्र एक नामांकन पत्र कमलेश कुमार वर्मा व कोषाध्यक्ष के लिए बड़े लाल यादव तथा प्रकाशन मंत्री के लिए अरविन्द कुमार यादव ने नामांकन पत्र दाखिल किया। आडिटर पद के लिए भी मात्र एक नामांकन पत्र धर्मेन्द्र कुमार यादव ने भरा। इसी तरह अन्य पदों के लिए भी नामांकन पत्र दाखिल किए गए। यह जानकारी रिल्डर कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद रशीद खां कल्यान पुरी ने दी। उन्होंने बताया कि 28 जून को मतदान होगा तथा इसी दिन तीन बजे से मतगणना कराई जाएगी। जिसके बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि तहसील जमुनहा में कुल 92 मतदाता हैं। जिन्हें मतदान करना है।

गढ़ रामपुर पुलिस चौकी के समीप मिला शव

संवाददाता–देवरिया। गढ़रामपुर पुलिस चौकी के समीप खनुआ पुल के पास सोमवार को सुबह एक वृद्ध का शव पड़ा मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव के शिनाख्त का प्रयास किया, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सका। इसके चलते पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए देवरिया भेज दिया। देवरिया–कसया मार्ग पर तरकुलवा व कसया थाने की सीमा पर स्थित गढ़ रामपुर पुलिस चौकी के खनुआ नाले के पुल के समीप सोमवार की सुबह एक वृद्ध व्यक्ति का शव पड़ा पाया गया। शव मिलने से आसपास के गांवों में सनसनी फैल गई। कुछ ही देर में वहां लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने देखा तो मृतक की बड़ी दाढ़ी थी, जिसका रंग गोरा और बदन दोहरा था।

कार्यालय ग्राम पंचायत अमौली वि0ख0–साऊँघाट जनपद– बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 25–06 2024 से 29–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 10.30 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 01–07–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समसिंबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फनीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(पूनम) ग्राम प्रधान **(पूनम शर्मा)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /24.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत पिपराचन्द्रपति वि0ख0–साऊँघाट जनपद– बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 25–06 2024 से 28–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 10.30 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 29–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समसिंबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फनीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(कुसुम देवी) ग्राम प्रधान **(पूनम शर्मा)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /24.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

सरयू में नहाते समय दो युवक डूबे

संवाददाता–देवरिया। जिले के बरहज नगर स्थित निर्माणाधीन मोहन सेतु के पास सोमवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे साथियों के साथ नहाने गए दो युवक सरयू में डूब गए। काफी तलाश के बाद भी उनका पता नहीं लगा। जानकारी होने पर परिजन मौके पर पहुंच गए। पुलिस गोताखोरों की मदद से दोनों युवकों की तलाश करा रही है।

मदनपुर थाना क्षेत्र के कोल्हुआं गांव निवासी विवेक प्रसाद (18) पुत्र ओमप्रकाश और नन्हिहाल आए बड़हलगंज क्षेत्र के संसारपार गांव निवासी अवधेश प्रसाद (20) अपने चार–पांच साथियों के साथ किसी काम से बरहज गए थे। लोगों के अनुसार भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए सभी एक साथ सरयू नदी में स्नान करने लगे। इसी बीच विवेक और अवधेश गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। दोनों को डूबता देख अन्य साथी शोर मचाने लगे, जिसे सुनकर आसपास के लोग जुट गए। लोग जब तक कुछ प्रयास करते विवेक और अवधेश नदी में लापता हो गए। जानकारी होने पर दोनों के परिजन और गांव के लोग नदी घाट पर पहुंच गए। किसी अनहोनी को लेकर परिजन भयभीत हैं। प्रभारी थानाध्यक्ष महेंद्र मोहन मिश्र भी हमराहियों के साथ दोनों युवकों की तलाश कराने लगे। सीओ आदित्य कुमार गौतम ने बताया कि सूचना पर पुलिस गई है। बचाव कार्य चल रहा है।

पुजारी को बना दिया मनरेगा मजदूर, बिना काम कराए ही खाते में भेजते गए रुपये

संवाददाता–महराजगंज। घुघली क्षेत्र के ग्राम सभा विश्वनाथपुर में शिव मंदिर के पुजारी को रोजगार सेवक द्वारा मनरेगा मजदूर बनाकर सरकारी कागज में हाजिरी भरकर बिना कार्य कराए पैसा भेजा जा रहा था। ये रुपये पुजारी के खाते में ही भेजे भी जा रहे थे। रोजगार सेवर पुजारी को धमका को रुपये ले लिया करता था। मामला तब प्रकाश में आया जब तंग आकर पुजारी ने ऐसा करने व पैसा देने से मना कर दिया। ये सुन पंचायत मित्र पुजारी से मारपीट पर तैयार हो गया। तब जाकर मामला खुला। पुजारी ने इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक व थानाध्यक्ष के साथ सीएम से जनता दरबार में कर दी। ग्राम सभा विश्वनाथपुर में वर्ष 2023–24 में पंचायत मित्र ने मनरेगा द्वारा बिना काम कराए मस्टरोल भरकर मजदूरी का भुगतान एक पुजारी की खाते में करने लगा। आरोप है कि पुजारी को धमका कर खाते में भेजी गई रकम को भी पंचायत मित्र निकाल लेता था। मारपीट और धमकी देने से डरे पुजारी ने इसकी शिकायत गोरखनाथ मंदिर में लगने वाले जनता दर्शन में मुख्यमंत्री से कर दी। मामले की जांच की गई। मनरेगा के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी उत्कर्ष कुमार ने पूरे मामले की जांच की। जिसमें पाया गया की शिकायतकर्ता मंदिर के पुजारी नंदलाल, जिसका कार्ड नंबर 133 है, उक्त कार्ड पर मनरेगा का पैसा बिना कार्य कराए वित्तीय वर्ष 2023–2024 में लगभग 19 हजार रुपये भुगतान के रुप में कियाय गया है। उसको विभागीय पत्र जारी कर रिकवरी का आदेश दिया गया है। खंड विकास अधिकारी घुघली अमर नाथ पांडेय ने बताया कि रोजगार सेवक धीरेंद्र कुमार यादव पर कार्रवाई करते हुए पत्र जारी किया गया है। दायित्व से हटाकर रिकवरी का आदेश दिया गया है।

धर्म न हो तो मनुष्य पशु हो जाएगा –आचार्य राधेश्याम शास्त्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।मनुष्य न तो धर्म को जान पाया है और न तो प्रेम को, धर्म है मनुष्य के मोक्ष पा जाने का विज्ञान। उक्त बातें मणिराम दास छावनी ट्रस्ट के हाल में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस की बेला में व्यास पीठ से आचार्य राधेश्याम शास्त्री महाराज ने कही उन्होंने बताया कि धर्म न हो तो मनुष्य पशु हो जाएगा।मनुष्य का पशु बन जाना ही पीड़ा है। मनुष्य रह जाना सुख है, प्रभु प्रेमी बन जाना आनन्द है क्योंकि मनुष्य अधूरा है। अधूरेपन में पीड़ा है। मनुष्य होकर कोई तृप्त नहीं हो सकता। मनुष्य के होने में ही अतृप्ति छिपी है।मनुष्य ऐसे है जैसे कली। कली जब तक फूल न हो, तब तक परेशान होगी। कली फूल होगी तो ही खुलेगी। और खिलेगी। कली फूल होगी तो ही आनंद को उपलब्ध होगी। कली सिर्फ मार्ग पर हैकू फूल होने के मार्ग पर है। कली अंत नहीं, कली मंजिल नहीं। ऐसा ही मनुष्य है। मनुष्य का दुख भी यही है, मनुष्य की गरिमा भी यही है। दुख यह है कि मनुष्य पूरा नहीं है। और पशुकृपक्षी पूरे मनुष्य हैं। पूरे से अर्थ, वे यात्रा पर नहीं है। वे जैसे हैं, जहां हैं, वहीं समाप्त हो जाएंगे। आदमी से तुम कह सकते हो कि तुम थोड़े कम आदमी हो। क्यों कह सकते हो? क्योंकि कोई आदमी थोड़ा कम आदमी होता है और कोई आदमी थोड़ा ज्यादा आदमी होता है। कोई आदमी इतना पूर्ण आदमी हो जाता हैय कोई बुद्ध, कोई महावीर कि हमें उसे भगवान कहना पड़ता है,वस्तुतरू बात इतनी घटी है कि बुद्ध का फूल खिल गयाय और कुछ नहीं हुआ है। हमारी कली बंद थी, बुद्ध का फूल खिल गया है।हम जहां हैं, जैसे हैं, वहा से आगे जाना होगा। आगे जाने की कला का नाम विज्ञान है,धर्म है।तो धर्म और मनुष्यता एक ही नहीं हैं। अगर साधारण मनुष्य को हम मनुष्य समझें, तो धर्म मनुष्य के पार जाने का विज्ञान है। अगर हम बुद्ध और महावीर को मनुष्य समझें और साधारण आदमी को समझें कि अभी मनुष्य नहीं है, तो फिर धर्म मनुष्य होने का विज्ञान है।कथा विश्राम के बाद मुख्य यजमान विनोद कुमार सिन्हा, मदन कुमार सिन्हा, मिथिलेश कुमार सिन्हा विमलेश कुमार सिन्हा अनूप कुमार सिन्हा ने आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया यह समस्त परिवार गोमो धनवान झारखण्ड से अयोध्या धाम में पधारे हुए है।

नेशनल एंटी करप्शन ऑपरेशन के मंडल प्रभारी बने राममूर्ति सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अपराध व भ्रष्टाचार पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के लिए समाज में लगातार काम कर रही नेशनल एंटी करप्शन ऑपरेशन समिति ऑफ इंडिया कि आज अयोध्या के एक होटल में अहम बैठक हुई जिसमें समाज मे फैले भ्रष्टाचार पर पूरी तरह से रोक लगाने पर विशेष चर्चा की गई नेशनल एंटी करप्शन एंड समिति ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजेश शुक्ला ने अयोध्या मंडल की जिम्मेदारी राममूर्ति सिंह को दी डॉ राजेश शुक्ला ने कहा राममूर्ति सिंह समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ अक्सर आवाज उठाते देखे गए हैं भ्रष्टाचार के लिए उनको लड़ते देखा गया है यही वजह है जो इनको मंडल की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है राष्ट्रीय महासचिव जैन मिश्रा ने कहा मौजूदा सरकार भ्रष्टाचार निवारण के लिए लगातार प्रयास कर रही है जो की बहुत ही सराहनीय इसी कड़ी में हमारा भी लक्ष्य है कि हम भी देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में अपनी सहभागिता दर्ज कारायें, इस बैठक में मधुबन सिंह, मनीष सिंह के साथ–साथ तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

दोपहर बाद जमकर हुई बारिश

संवाददाता–संतकबीरनगर। उमस भरी गर्मी से जूझ रहे नागरिकों को दोपहर बाद हुई झमाझम बारिश से राहत मिल गई। मौसम खुशनुमा हो गया। जिस प्रकार की बारिश का लोगों को महीनों से इंतजार था वह बारिश शहरियों को मिल गई है। ग्रामीण क्षेत्र फिर भी अछूते हैं। हालांकि दो दिन बाद मानसूनी बरसात होने की संभावना है। यह नजारा प्री मानसून का था।

जिले के लोगों को भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए जोरदार बारिश का इंतजार सोमवार को खत्म हुआ। सोमवार को सुबह से ही बदली व धूप का सिलसिला चल रहा था। इसी के साथ उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान कर रही थी। दोपहर में गर्मी के चलते बेचैनी वाली हालत थी। दो बजे के बाद मौसम का मिजाज बदलने लगा। ढाई बजे काले बादल आसमान में घिर आए। थोड़ी देर बाद हवाओं के साथ जोरदार बारिश का सिलसिला शुरू हो गया। लगभग आधे घंटे तक जमकर बारिश हुई। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिल गई। वहीं पिछले चार दिनों से हीट वेव का कहर समाप्त हो गया है।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद, पिता-पुत्र को मारी गोली

संवाददाता–गोरखपुर। बड़हलगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत समयधान पड़ौली के भटपुरवा मधुपुर टोला में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। एक पक्ष ने असलहे से दुसरे पक्ष के पिता– पुत्र को गोली मार दी। दोनो को गंभीर हालत में सीएचसी बड़हलगंज लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल, गोरखपुर रेफर कर दिया गया। पुत्र की हालत नाजुक बताई जा रही है। गांव के मुन्नालाल यादव व कमलेश यादव सगे पटीदार हैं। दोनों के बीच जमीन का काफी दिनों से विवाद चलता है। सोमवार को मुन्नालाल अपने लड़के आदित्य यादव के साथ घर के पास प्लास्टिक लगा रहे थे। इसी बीच विपक्षी कमलेश अपने छत से ईंट पत्थर चलाने लगा। मना करने पर छत से नीचे उतरकर असलहे से मुन्नालाल व आदित्य के ऊपर गोली चला चलाकर फरार हो गया। मुन्नालाल के कंधे में व आदित्य के सीने में दाहिनी तरफ गोली लगी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी तक कोई तहरीर नहीं पड़ी है।

दो अलग–अलग दुर्घटनाओं में दो ट्रक चालक घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर अलग–अलग हुई दुर्घटनाओं में दो ट्रकों के चालक घायल हो गए। दुर्घटनाएं भुवरिया चौराहे और चुरेब ब्रिज के पास हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पहली दुर्घटना चुरेब ब्रिज के पास हुई। रविवार की रात किसी अज्ञात वाहन की ठोकर से ट्रक सड़क किनारे गड्ढे में जाकर पलट गया जिसमें चालक घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल चालक को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घायल चालक की पहचान कन्नौज जिला के गोसाईगंज थाना के अजईगी गांव निवासी विजय कुमार (36) पुत्र मथुरा प्रसाद के रूप में हुई। दूसरी घटना भुवरिया चौराहे के पास सोमवार की भोर में हुई। इसमें आगे चल रहे किसी अज्ञात वाहन में एक ट्रक पीछे से भिड़ गया जिसमें चालक घायल हो गया। दुर्घटना के बाद ट्रक में लदा अण्डा रोड पर बिखर गया तो वहीं आवागमन में थोड़े समय तक बाधित रहा। दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल चालक को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत रोझिया वि0ख0-बहादुरपुर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 25–06 2024 से 25–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 11.30 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 25–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलम/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समरसिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फनीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंडजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फ़ेन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। सामग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(राजमनि) ग्राम प्रधान **(रवि प्रकाश पाण्डेय)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /24.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

डोगरा रेजीमेंटल सेंटर अयोध्या में अग्निवीर की भर्ती प्रक्रिया शुरू

संवाददाता–अयोध्या। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती रैली सोमवार से डोगरा रेजिमेंटल सेंटर, अयोध्या में शुरू हो गई है। एआरओ अमेठी के अंतर्गत 13 जिलों अम्बेडकरनगर, अमेठी, अयोध्या, बस्ती, कौशांबी, कुशीनगर, महराजगंज, प्रयागराज, रायबरेली, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, संत कबीर नगर और सिद्धार्थ नगर) के युवा दो जुलाई फिजिकल फिटनेस टेस्ट देंगे। सोमवार को पहले दिन अंबेडकरनगर, अमेठी, अयोध्या, बस्ती, कौशांबी, कुशी नगर, महाराजगंज, प्रयागराज, रायबरेली के युवा अग्निवीर ट्रेड्समैन (10वीं पास) और प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, संत कबीर नगर और सिद्धार्थ नगर के युवा अग्निवीर ट्रेड्समैन (आठवीं पास) के लिए टेस्ट दे रहे हैं। रैली में युवाओं को पहले फिजिकल फिटनेस टेस्ट (पीएफटी) से गुजरना होगा।

रामलला के दरबार में शीश नवाने पहुंची हरियाणा सरकार

संवाददाता–अयोध्या। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोमवार को यहां श्रीरामलला के मंदिर में दर्शन पूजन किया। इस दौरान हरियाणा के विधानसभा अध्यक्ष, कैबिनेट के मंत्रीगण और विधायकगण भी मौजूद रहे। इससे पूर्व नायब सैनी ने श्रीराम जन्मभूमि न्यास और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास से मिलकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हरियाणा से आए अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के चाक–चौबंद इंतजाम किए गए थे। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए गए थे। एयरपोर्ट पर प्रदेश के राज्यमंत्री सतीश शर्मा व अयोध्या के मेयर गिरीशपति त्रिपाठी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी

ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमारे लिए यह गौरव का क्षण है। हमारी संस्कृति हमारी आस्था के प्रतीक भगवान श्रीराम का यह भव्य और दिव्य मंदिर 500 वर्षों के बाद हमें देखने को मिला है। हमें एक अलग ऊर्जा भगवान श्री राम के दर्शन करने से मिलती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यहां श्रीराम का भव्य और दिव्य धाम तैयार हो रहा है। अयोध्या में हो रहा विकास एक मॉडल के रूप में हम सबके सामने है। उन्होंने कहा कि अयोध्या हमारी संस्कृति और आस्था का केंद्र बिंदु है। इससे पहले नायब सैनी ने सरयू के दर्शन भी किये और हनुमानगढ़ी में पूजन–अर्चन किया। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। आने वाले विधानसभा चुनाव में एक बार फिर भाजपा बहुमत के साथ हरियाणा की सत्ता में आएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में हम तीसरी बार सरकार बनाएंगे। नरेंद्र मोदी का जो सपना है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, उसमें हरियाणा भी अपनी भूमिका निभाएगा। हरियाणा सरकार द्वारा दिल्ली को पानी न दिए जाने के आम आदमी पार्टी के आरोप पर जवाब देते हुए नायब सैनी ने कहा कि दिल्ली को जितना पानी चाहिए हरियाणा उतना पानी दे रहा है। केजरीवाल सरकार का मैनेजमेंट सही नहीं है, उनका ध्यान केवल भ्रष्टाचार पर है। उन्हें भ्रष्टाचार से ध्यान हटाकर आम जनता की सेवा करनी चाहिए।

कार्यालय ग्राम पंचायत सेमरा उर्फ गलवा वि0ख0-बहादुरपुर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 25–06 2024 से 26–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 10.30 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 26–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 1.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलम/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समरसिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फनीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंडजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फ़ेन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। सामग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(अनिल कुमार) ग्राम प्रधान **(रवि प्रकाश पाण्डेय)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /24.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0 1347/2024

T 202417140101347

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) बस्ती जिला बस्ती

बजरंग बहादुर सिंह

बनाम

सरजू प्रसाद सिंह आदि

ग्राम कछिया तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 1. सरजू प्रसाद सिंह पुत्र नन्दलाल 2. राम अचल पुत्र सोमई 3. राम औतार 4. बुद्धिराम 5. धर्मराज 6. राजाराम पुत्रगण राम अचल 7. जोखू प्रसाद 8. हरीराम 9. गनपत पुत्रगण मताऊ 10. राम सुरेश 11. महेश पुत्रगण झिनकान 12. श्रीमती नेहरा देवी पत्नी झिनकान 13. राम सुमेर 14. रामवीर 15. मोहन लाल 16. चन्द्रेश 17. रामकेश 18. नेबूलाल पुत्रगण लालू 19. दयाशंकर पुत्र बेचू 20. अमरचन्द्र 21. तुलसीराम 22. अमरीश पुत्रगण रामजग साकिन कछिया तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 23. महामहिम राजपाल नहर खण्ड बस्ती 24. उ0प्र0 सरकार

तारीख पेशी 29–06–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 29 माह 06 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 22 माह 06 सन 2024 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

कुलाधिपति ने किया नए मूल्यांकन भवन का शिलान्यास

संवाददाता–गोरखपुर। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के नए मूल्यांकन भवन तथा जनगणना कार्य निदेशालय का ऑनलाइन शिलान्यास किया। केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत 'सेंसस डाटा रिसर्च वर्क स्टेशन' के तहत इसे तैयार किया गया है।

कुलाधिपति ने कहा कि नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में गोरखपुर विश्वविद्यालय ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में अग्रणी भूमिका निभाई है। नए पाठ्यक्रमों का निर्माण कर विश्वविद्यालय ने ''विकसित भारत'' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत–2047 की संकल्पना को पूरा करने के लिए जरूरी है कि विश्वविद्यालय अपने अनुसंधान पक्ष को मजबूत करें। अधिक से अधिक समाजोपयोगी शोध को बढ़ावा दें, जिससे सामाजिक दायित्वों का निर्वहन हो सके।

सेंसस डाटा रिसर्च वर्कस्टेशन का शुभारंभ करते हुए कुलाधिपति ने प्रसन्नता व्यक्त किया और कहा कि यह विश्वविद्यालय ऐसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरुआत करने जा रहा है, जो विद्यार्थी केंद्रित भी हैं और समाज के उपयोगी भी है। विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है कि गृह मंत्रालय द्वारा गोरखपुर विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिसर में "सेंसस डाटा रिसर्च वर्कस्टेशन" स्थापित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। राज्य सरकार के विश्वविद्यालयों के अंतर्गत स्थापित होने वाला द्वितीय तथा प्रदेश में स्थापित होने वाला चतुर्थ "सेन्सस डेटा रिसर्च वर्कस्टेशन" है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षण संस्थाओं, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, छात्रों तथा डाटा यूजर को लाभान्वित करने एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है। कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कहा कि आज का दिन हमारे विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय है, जब हम अपनी अभिभावक के सानिध्य में अपनी प्रगति यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ रहे हैं। उत्तर प्रदेश का यह चौथा सेन्सस डेटा रिसर्च वर्कस्टेशन है और हमारे विश्वविद्यालय के लिए यह गर्व का अवसर है।

क्योंकि किसी राज्य विश्वविद्यालय में स्थापित होने वाला यह केवल दूसरा ऐसा केंद्र है। विश्वविद्यालय में सेंसस डाटा रिसर्च वर्कस्टेशन की स्थापना इस क्षेत्र ही नहीं बल्कि पूरे पूर्वांचल के शिक्षाविदों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं जन–सामान्य के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा और यहां उपलब्ध आंकड़ों से हम अनेक समाजोपयोगी शोध भी कर सकेंगे।

हैण्डपम्प से पानी भरते समय युवक को लगा करंट, मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के महुली थाना क्षेत्र के स्थानीय कस्बा में सोमवार को नल का हैंडल चलाते समय युवक को करंट की चपेट में आ गया। आनन फानन में परिजन उसे लेकर इलाज के लिए सीएचसी नाथनगर पहुंचे। चिकित्सकों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना से घर में कोहराम मच गया। महुली कस्बा निवासी फिरोज अहमद वर्तमान समय मुंबई में है। घर पर पत्नी बेटों के साथ रहती है। सोमवार को फिरोज अहमद का सबसे छोटा बेटा मो. आमिर सोमवार को दोपहर में घर पर पहुंचा। कपड़ा निकालकर हाथ मुंह धोने के लिए नल चलाने के लिए हैंडल पर हाथ लगाया। तभी अचानक मो. आमिर को करंट का जोरदार झटका लग गया। परिजनों की माने तो वह नल के हैंडल में चिपक गया था। किसी तरह बिजली कटवाकर सप्लाई बंद कराया। मूर्छित हालत में उसे पहले एक निजी अस्पताल ले गए। हालत सीरियस बताने पर सीएचसी नाथनगर लेकर गए। वहां चिकित्सकों ने मो. आमिर के मौत होने की पुष्टि कर दी। परिजन शव को लेकर घर चले आए। उसके मौत की खबर से घर में कोहराम मच गया। उसके दरवाजे पर शुभ चिन्तकों की भीड़ लग गई।

कार्यालय ग्राम पंचायत हथिया द्वितीय वि0ख0-बहादुरपुर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 25–06 2024 से 25–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 10.30 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 25–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 12.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलम/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समरसिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फनीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंडजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फ़ेन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्तें– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। सामग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(अकरम खां) ग्राम प्रधान **(रवि प्रकाश पाण्डेय)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /24.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

बंधों की निगरानी के लिए तैनात हुए एई और जेई

संवाददाता–गोरखपुर। मानसून का सीजन आ गया है। अगले 24 से 36 घंटे में मानसूनी बारिश शुरू हो जाएगी। इसको देखते हुए बांधों की निगरानी शुरू कर दी गई है। अधिशासी अभियंता बाढ़ खण्ड ने बताया कि जनपद में स्थित विभिन्न तटबंधों पर निगरानी के लिए सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता की ड्यूटी लगायी गयी है। मलौनी तटबंध, नौसढ़ कलानी तटबंध तथा नौसढ़ कलानी रिंग तटबंध की निगरानी सहायक अभियंता प्रथम प्रदीप कुमार के साथ अवर अभियंता विवेक चौहान तथा दीनानाथ कुशवाहा करेंगे। राप्ती नदी के किनारे बने यह बांध शहर को बाढ़ से बचाते हैं। बरही पाथ तटबंध, इटौहा तटबंध, तथा मलौनी तटबंध के 20 से 30 किलोमीटर की निगरानी सहायक अभियंता द्वितीय हरि गोविन्द, अवर अभियंता जितेन्द्र पासवान, मनीष कुशवाहा तथा अभिषेक मद्धेशिया करेंगे।

पुलिसकर्मियों को साइबर क्राइम एक्सपर्ट की दी गई ट्रेनिंग

संवाददाता–गोरखपुर। इंटरनेट की दुनिया अब साइबर अपराधियों के कारण सुरक्षित नहीं है। भले ही इंटरनेट लोगों के जीवन में बड़े बदलाव लाए हो लेकिन अब उतना ही खतरनाक साबित हो गया है। हर साइबर अपराधी लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। अपराध को जड़ से खत्म करने के लिए पुलिस और सरकार निरंतर कार्य कर रही है। अपराधों पर रोक लगाने के लिए मिलकर काम कर रही है। अपराध को रोकने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने जनपद के प्रत्येक थानों से दो निरीक्षक दो कांस्टेबल हेड कांस्टेबल पुलिस को लाइन व्हाइट हाउस सभागार में सहायक पुलिस अधीक्षक क्षेत्राधिकारी कैंट अंशिका वर्मा ने साइबर अपराध की जुड़ी हर जानकारी दी जिससे गोरखपुर में साइबर क्राइम का शिकार ना हो। सहायक पुलिस अधीक्षक अंशिका वर्मा ने बताया कि साइबर अपराध कई प्रकार के होते हैं जिसमें हैकर्स, धोखेबाज पीड़ितों की प्रतिष्ठा, वित्त, व्यवसाय आदि को प्रभावित करने वाले विभिन्न साधनों का उपयोग करते हैं। डिवाइस कहीं और आपराधिक गतिविधि करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला लक्ष्य या उपकरण हो सकता है। साइबर क्राइम हमलों का टारगेट व्यक्ति, संगठन या सरकारें हो सकता है। यानी साइबर अपराधी किसी को भी शिकार बना सकते हैं। साइबर अपराधी तकनीकी रूप से अत्यधिक कुशल होते हैं जिनका उद्देश्य किसी अन्य डिवाइस को नुकसान पहुंचाना होता है या लाभ या कुछ अन्य कारणों से ऐसे उपकरणों का उपयोग कर सकते हैं। ऐसे अपराधों को रोकने के लिए गोरखपुर पुलिस साइबर अपराध मुक्त बनाने के लिए कटिबद्ध है इस लिए साइबर अपराधी की रोकथाम के लिए पुलिसकर्मियों को साइबर क्राइम एक्सपर्ट ट्रेनिंग दी गयी। साइबर क्राइम एक्सपर्ट टीम का मुख्य उद्देश्य थाना क्षेत्र में होने वाले साइबर अपराध के संबंध में फर्स्ट रिस्पॉन्डर की भूमिका निभाना है साथ ही साथ आमजनमानस को साइबर अपराध के रोकथाम संबंध में जागरूक किया जा सके।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com